भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1418

गुरूवार, 09 दिसम्बर, 2021/18 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (आईटीडीसी) द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना

1418. डा. सोनल मानसिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत पर्यटन विकास निगम देश में पर्यटन के उत्तरोतर विकास, संवर्धन, विस्तार और संस्कृति के प्रसार के लिए क्या-क्या कार्य कर रहा है;और

(ख) भारत पर्यटन विकास निगम ने सम्पूर्ण मनी चेंजर्स सेवाओं और इंजिनियरिंग संबंधी परामर्शी सेवाओं और अन्य नवीन सेवाओं में पदार्पण के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क.): वर्तमान में, भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड निम्नलिखित कार्यक्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

- <u>अशोक होटल समूह:</u> अपने मुख्य उद्देश्य के भाग के रूप में आईटीडीसी होटल, रेस्तरां और खानपान प्रतिष्ठानों का प्रबंध कर रहा है। आईटीडीसी होटलों और खानपान प्रतिष्ठानों (एचसीई) एककों के विकास के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

  1) हाल ही में, अशोक होटल, नई दिल्ली में कुछ कमरों का नवीनीकरण किया गया है।
  2) सम्राट होटल, नई दिल्ली में 48 कमरों और मुख्य लॉबी का नवीनीकरण और उन्नयन प्रक्रिया में है और एक नए तरणताल को भी जोड़ा गया है।
  3) ताज रेस्तरां, आगरा को हाल ही में पुनर्निर्माण कर उसे और उन्नत किया गया है।
  4) आईटीडीसी के सभी होटलों और खानपान प्रतिष्ठानों में उत्पादों और सेवाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है।
  5) पर्यटन मंत्रालय (एमओटी), भारत सरकार के अनुमोदन से, आईटीडीसी ने विदेशों में भारतीय मिशनों द्वारा आयोजित किए जा रहे भारतीय खाद्य समारोहों के लिए अपने शेफ को प्रतिनियुक्त किया है।
  6) आईटीडीसी घरेलू व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए अपनी विभिन्न इकाइयों में विभिन्न खाद्य उत्सवों का आयोजन करता रहा है। वर्तमान में, आईटीडीसी नई दिल्ली के

अशोक होटल में 3 से 5 दिसंबर 2021 तक "पूर्वोत्तर राज्यों की महक का अनुभव" उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

7) ऑनलाइन कमरे की बुकिंग के लिए अधिकांश ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों के साथ टाई-अप किया गया है।

- **अशोक ट्रेवल्स एंड टुअर्स (एटीटी) प्रभाग** देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवाई टिकट, परिवहन, आवास, पर्यटन आदि जैसी यात्रा संबंधी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

- **अशोक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रभाग (एआईटीडी)** पर्यटकों के साथ-साथ नाविकों को शुल्क मुक्त माल बेचने के लिए बंदरगाहों पर 15 शुल्क मुक्त दुकानों का संचालन कर रहा है, जिससे न केवल उन्हें सुविधा हो रही है बल्कि बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी अर्जित हो रही है।

- अशोक कंसल्टेंसी एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज (एसीईएस) प्रभाग :

  1) भारत सरकार ने देश में पर्यटन के विकास, संवर्धन और विस्तार के लिए आईटीडीसी की स्थापना की है। आईटीडीसी अपने इंजीनियरिंग प्रभाग के माध्यम से देश में पर्यटन के विकास और विस्तार के लिए पर्यटन मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं का कार्य करता है।
  2) एसीईएस प्रभाग अपनी स्थापना के बाद से ही पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित स्वदेश दर्शन, प्रसाद और सीएफए योजनाओं, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों के लिए पर्यटन के विकास के तहत विभिन्न पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है।
  3) पर्यटन के संवर्धन के लिए और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए, एसईएल प्रभाग द्वारा सोन एट लुमियर / मल्टीमीडिया प्रदर्शन निष्पादित किए जा रहे हैं। यह प्रभाग ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन के कार्यान्वयन के लिए देश की सबसे पुरानी इकाई है।

- **अशोक इवेंट्स प्रभाग (एईड)**

  1) मंत्रालयों और विभिन्न सरकारी निकायों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर कार्यक्रमों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों का प्रबंधन करता है।
  2) डिजाइनिंग और मुद्रण समाधान (पोस्टर, ब्रोशर, फोल्डर, निमंत्रण कार्ड आदि) प्रदान करता है।
  3) पर्यटन मंत्रालय के लिए नामित कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्यक्रमों का प्रबंधन करता है।
  4) पर्यटन मंत्रालय की ओर से साहित्य वितरण केंद्र, पालम का प्रबंधन करता है।

- आईटीडीसी के एचआरडी प्रभाग के तहत अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंध संस्थान (एआईएचटीएम), इच्छुक उम्मीदवारों के लिए आतिथ्य क्षेत्र में एक कौशल प्रदान करने वाला केंद्र है। जैसेकि, एआईएच एंड टीएम हुनर से रोज़गार तक कौशल परीक्षण और

प्रमाणन, उद्यमिता कार्यक्रम, पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम आदि के तहत पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। साथ ही कौशल विकास प्रमाण-पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम जैसे कि एनआईओएम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आतिथ्य ट्रेड में एक वर्षीय डिप्लोमा और जेएमआई, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के साथ आतिथ्य प्रबंन्धन में एक वर्षीय डिप्लोमा (डीएचएम) भी चला रहा है। एआईएचएंडटीएम होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय परिषद तथा इग्नू के साथ संबद्धता में तीन वर्षीय बीएससी (एचएंडएचए) पाठ्यक्रम और जामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में खाद्य उत्पादन में तीन वर्षीय बीवीओसी पाठ्यक्रम भी संचालित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम आतिथ्य व्यापार में कुशल मानवशक्ति तैयार करने में मदद करते हैं और इस प्रकार प्रशिक्षित मानवशक्ति की उपलब्धता बनाम आवश्यकता में अंतर को पाटने में मदद करते हैं।

(ख): आईटीडीसी बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार, सलाहकार मेसर्स डेलॉइट को भविष्य के लिए आईटीडीसी के लिए एक व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, एसीईएस और एआईएचटीएम के संबंध में निम्नलिखित भी प्रस्तुत किया गया है।

- आईटीडीसी का एसीईएस प्रभाग पर्यटन अवसंरचना और होटलों के विकास, वाणिज्यिक, शैक्षिक, आवासीय भूनिर्माण, रिवर फ्रंट विकास परियोजनाओं और थीम आधारित पार्कों आदि की अवधारणा से लेकर स्थापना तक सेवाएं प्रदान करता है। आईटीडीसी ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन/मल्टीमीडिया और स्मारक प्रकाश व्यवस्था आदि को लागू/निष्पादित करता है। यह प्रभाग विभिन्न राज्यों, इच्छुक पार्टियों के लिए पर्यटन मास्टर प्लान, व्यवहार्यता और पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट, लागत-लाभ विश्लेषण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, चित्र तैयार करना, अनुमान और पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निविदा दस्तावेज भी तैयार करता है।
- एआईएचटीएम: आतिथ्य के क्षेत्र में कौशल विकास पाठ्यक्रम और विभिन्न डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने के अलावा, आईटीडीसी निम्नलिखित कार्यक्रमों को शुरू करने की प्रक्रिया में भी है।

1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम (आईटीडीसी और राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी): छात्रों की सहायता करने और आतिथ्य क्षेत्र में उद्यमियों को तैयार करने के लिए, आईटीडीसी ने आईटीडीसी के एचआरडी प्रभाग के भीतर "उद्यमिता विकास कार्यक्रम" के तहत समूह और समाज बनाकर एक समानांतर कार्यक्षेत्र आरम्भ् किया है। हाल ही में बेरोजगार और आतिथ्य क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे अन्य अनुभवी आतिथ्य पेशेवरों के साथ होटल प्रबंधन संस्थानों के स्नातकों को खानपान और अन्य आतिथ्य संबंधी प्रतिष्ठानों (कैंटीन/ कैफे, समारोह प्रबंधन, मानवशक्ति) को चलाने के लिए गैर-वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सरकारी और निजी कार्यालयों/संस्थानों और विभिन्न स्थानों में अन्य वाणिज्यिक भवनों में सेवाएं, भोज सेवाएं, कीट नियंत्रण, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ आदि)।

प्रशिक्षण एनआईईएसबीयूडी के अधिकारियों द्वारा आभासी और प्रत्यंक्ष मोड के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।

2. पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम (टीएपी): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की सीबीएसपी योजना के तहत, आईटीडीसी बुनियादी विदेशी के साथ व्यवहार और सॉफ्ट कौशल पर पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम (पूर्णत: पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित) के तहत टैक्सी/कैब चालकों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया में है। प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ टैक्सी/कोच चालकों के लिए एक बुनियादी विदेशी भाषा पर ज्ञान प्रदान करेंगे ताकि वे विदेशी नागरिकों के साथ आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले वाक्यों को संप्रेषित कर सकें। पर्यटन जागरूकता /संवेदीकरण कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम के पूरा होने पर प्रत्येक प्रशिक्षु को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

****